केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 52 शुक्रवार 13 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीएम ने किया गौशाला का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने गौशाला सिरसहवा, विकास खण्ड परसरामपुर का निरीक्षण किया। गौशाला के निरीक्षण के समय खण्ड विकास अधिकारी परसरामपुर विनोद कुमार सिंह, पशुचिकित्सा अधिकारी परसरामपुर डॉ. अमित श्रीवास्तव, ग्राम सचिव सहित कुछ ग्रामवासी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय गौशाला की साफ–सफाई संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के समय गौशाला में 56 गोवंश संरक्षित पाए गए। पशु–गणना रजिस्टर संरक्षित पाया गया। निर्देशित किया गया कि पशु गणना रजिस्टर में प्रत्येक दिवस की इण्ट्री अवश्य की जाय। संरक्षित सभी गोवंश स्वस्थ प्रतीत हुए। यह अच्छी बात रही कि इस गौशाला के चारों तरफ बाउण्ड्रीवाल का निर्माण हुआ है, जिससे संरक्षित होने वाले गोवंश बाउण्ड्रीवाल के अन्दर ही रहते हैं।

खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि अब तक विकासखण्ड की कुल 7 गौशालाओं (01 वृहद तथा 06 अस्थायी) में विभिन्न योजनाओं से समन्वय करके वृहद गौशाला उदवतपुर में क्षेत्र पंचायत द्वारा तथा 3 अस्थायी गौशालाओं में ग्राम पंचायत में संचालित विभिन्न योजनाओं द्वारा बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराया जा चुका है। शेष 3 गौशालाओं में इसी वित्तीय वर्ष में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

दो किसानों की करंट की चपेट मे आने से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थानाक्षेत्र के भिखारिया गांव में खेत के बाड़ में उतरे करंट की चपेट में आकर झुलसने से दो किसानों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मौके पर दुबौलिया पुलिस और फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच पड़ताल की। बताया जा रहा है कि भिखरिया गांव निवासी मलाई यादव (40) गुरुवार की सुबह करीब साढ़े छह गांव के उत्तर दिशा में अपना खेत देखने गए थे। जैसे अपने खेत में घुसने के लिए खेत के चारों तरफ लगाए गए कटीले तार को छूआ, वह उसमें प्रवाहित हो रहे ग्यारह हजार वोल्टेज के करंट की चपेट में आ गए और झुलसकर तड़पने लगे। पास से ही गुजर रहे गांव के किशन लाल (65) उन्हें बचाने के लिए पहुंचे तो वह भी करंट की चपेट में अ गए। हादसे की जानकारी पाकर ग्रामीणों की भीड़ खेत में जुट गई। ग्रामीणों ने विद्युत आपूर्ति बंद करने के लिए फोन कर विभाग को सूचना देनी चाही, लेकिन बार बार फोन करने के बाद भी कोई रिस्पांस नहीं मिला।

इसके बाद एकडेगवा पदमापुर फीडर पर पहुंच कर लाइन को बंद करवाया। ग्रामीणों ने बताया कि खेत के ऊपर से ग्यारह हजार वोल्टेज का तार गुजरा है। खेत के मेड पर विद्युत पोल लगा हुआ है। जिसमें लगे अर्थ वायर में करंट उतर रहा था और यहीं खेत के किनारे लगे बाड़ से टच था। इसमें करंट उतरने के कारण हादसा हुआ। पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

हिन्दी दिवस पर गोष्ठी 14 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्वांचल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद बस्ती द्वारा दिनांक 14 सितंबर 2024 को हिंदी दिवस पर प्रेस क्लब के सभागार में विचार गोष्ठी, कवि सम्मेलन एवं सारस्वत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ0 ताराचंद तन्हा की कृतियों का लोकार्पण भी किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रेस क्लब बस्ती के महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने समस्त साहित्यिक प्रेमियों से समारोह में प्रतिभाग करने का अनुरोध किया है।

मैं त्याग पत्र देने को तैयार– ममता बनर्जी

कोलकाता (आभा)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में पिछले महीने ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों से राज्य सरकार की बातचीत आज भी नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हड़ताली डॉक्टरों से बातचीत करने के लिए दो घंटे तक इंतजार करती रहीं लेकिन डॉक्टर बातचीत करने नहीं आए। इस गतिरोध पर ममता बनर्जी ने कहा है कि वह लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हूं। आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर की हत्या मामले में मैं भी न्याय चाहती हूं।' उन्होंने कहा, "मैं बंगाल के लोगों से माफी मांगती हूं, जिन्हें उम्मीद थी कि आज आरजी कर मामले में गतिरोध खत्म हो जाएगा।" इससे पहले हड़ताली डॉक्टरों ने बैठक की लाइव स्ट्रीमिंग करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग करने से इनकार कर दिया।

दो दिन पहले हड़ताली डॉक्टरों ने मुख्य सचिव से बात करने से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री से बातचीत करने की मांग की थी। उस दिन भी मुख्यमंत्री राज्य सचिवालय में मुख्य सचिव के साथ करीब ढाई घंटे तक इंतजार करती रह गई थीं लेकिन डॉक्टरों ने मुख्य सचिव के मेल का जवाब तक नहीं दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जूनियर डॉक्टरों से मिलने के लिए आज भी दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि आरजी कर मामले में गतिरोध को समाप्त करने के लिए उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से बातचीत करने की तीन बार कोशिश की। सीएम ने कहा, "हमारे पास जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था थी, हम उच्चतम न्यायालय की अनुमति से इसे उनके साथ साझा कर सकते थे लेकिन चूंकि आरजी कर मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए जूनियर डॉक्टरों की मांग के अनुसार उनके साथ बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता है।"

महिला अधिवक्ता की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण– नवीन कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रदेश महासचिव एवं बस्ती मण्डल प्रभारी अधिवक्ता नवीन कुमार श्रीवास्तव ने कासगंज में महिला अधिवक्ता मोहिनी तोमर के अपहरण व हत्या मामले की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुये कहा है कि प्रदेश में अपराधियों का मनोबल लगातार बढता जा रहा है। महिला अधिवक्ता की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण है" मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से अधिवक्ता नवीन कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मोहिनी के पति ब्रजेन्द्र तोमर के द्वारा छह लोगों के विरूद्ध अपहरण व हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने सभी नामजद छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि जमानत का विरोध करने पर धमकी दी थी, इसी के बाद हत्या वारदात की हुई। कहा कि यह चिन्ताजनक है। मांग किया कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने के साथ ही भविष्य में अधिवक्ताओं के सुरक्षा व्यवस्था की जाय।

निःशुल्क मेगा कैम्प में हृदयरोग के 80 मरीजों का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में गुरूवार को फ्री मेगा कार्डियोलॉजी कैम्प का आयोजन किया गया । कुल 80 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें परामर्श दिया गया।

श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के चेयरमैन बसंत चौधरी ने बताया कि टेण्डर पाम हास्पिटल लखनऊ के वरिष्ठ हृदयरोग विशेषज्ञ डा. मोहित मोहन सिंह ने अपने चिकित्सकीय टीम के साथ मरीजों का परीक्षण कर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श दिया। माह के प्रत्येक मंगलवार को ओ.पी.डी. की सेवायें मरीजों को मिलेगी। बताया कि हॉस्पिटल में इलाज के लिये अत्याधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं। पूर्वान्चल के दूर दराज के मरीज श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में बेहतर उपचार पा रहे हैं। आयुष्मान कार्ड के साथ ही केन्द्र और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य से सम्बंधित सभी सुविधायें मरीजों को उपलब्ध हैं। बीमित मरीजों के इलाज की भी पूरी व्यवस्था है। कार्डियोलॉजी कैम्प के साथ ही भविष्य में प्रयास होगा कि ऐसे शिविरों की संख्या बढायी जाय जिससे सम्बंधित रोगों के मरीजों को जांच, परीक्षण के साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा एक ही स्थान पर श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में मिलती रहे।

चोरी मामले में एसपी से किया कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के मदरा निवासिनी अनारमती पत्नी स्वर्गीय राम प्रकाश ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में अनारमती ने कहा है कि गत 19 अगस्त को रात्रि लगभग 12 बजे गांव के शिवशंकर पुत्र स्वर्गीय नन्दलाल व धर्मराज पुत्र अर्जुन चोरी करने की नीयत से घर में घुस गये । आहट पाकर आंख खुलने पर उसकी पुत्री सरिता ने टार्च जलाकर देखा तो घर में रखा सामान बिखरा हुआ था और बाक्स में रखा 15 हजार रूपया नकद गायब था। 6 सितम्बर को मामले की सूचना मुण्डेरवा थाने को लिखित तहरीर के द्वारा दिया गया। पुलिस ने चोरी के इस मामले में नामजद तहरीर के बावजूद न तो कोई मुकदमा दर्ज किया न कोई कार्रवाई हुई। अनारमती ने मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर चोरी का रूपया वापस दिलाने की मांग किया है।

सीताराम येचुरी का निधन

नई दिल्ली (आभा)। सीपीआई (एम) के महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद सीताराम येचुरी का लंबी बीमारी के बाद 72 साल की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया।परिवार ने उनका शरीर शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए एम्स को दान कर दिया है।

सीताराम येचुरी के परिवार ने शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए उनके शरीर एम्स को दान कर दिया। एम्स द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि 72 वर्ष के सीताराम येचुरी को निमोनिया के कारण 19 अगस्त 2024 को एम्स में भर्ती कराया गया था और 12 सितंबर 2024 को दोपहर 3.05 बजे उनका निधन हो गया। परिवार ने उनका शरीर शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए एम्स को दान कर दिया है। 31 अगस्त को, सीपीआई (एम) ने कहा कि श्वसन संबंधी समस्याओं के लिए विशेषज्ञों की एक टीम उनका इलाज कर रही थी। 72 वर्षीय नेता की हाल ही में मोतियाबिंद सर्जरी भी हुई थी। अपने स्वास्थ्य संबंधी संघर्षों के बावजूद, येचुरी सक्रिय रहे। 22 अगस्त को उन्होंने एक वीडियो मैसेज शेयर करते हुए कहा था कि यह मेरी क्षति है कि मैं शारीरिक रूप से इस स्मारक बैठक में शामिल नहीं हो सका और कॉमरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित नहीं कर सका।

मां बेटी को मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के गया जीतपुर निवासिनी दलित महिला सुमन देवी पत्नी स्वर्गीय ओम प्रकाश ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर मारपीट व जाति सूचक भद्दी–भद्दी गाली देने, गलत नीयत से पुत्री का कपड़ा फाड़ देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाने की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में सुमन देवी ने कहा है कि गत 31 अगस्त की रात्रि लगभग 8 बजे गांव के ही अरविन्द कुमार चौधरी पुत्र दीनानाथ, फूलचन्द्र पुत्र राजितराम व रामलाल पुत्र मतई रंजिशन एक राय होकर अपने अपने हाथों लाठी डण्डा से लैश होकर उसके दरवाजे पर चढ़ कर मां,बहन की भद्दी–भद्दी गाली गुप्ता दिये जब उसने गाली देने से मना किया तो वे लोग लाठी डण्डा से मारने लगे उसकी पुत्री पुष्पा देवी बचाने आयी तो उसको भी लाठी, डण्डे से मारने लगे तथा गलत नियत से उसकी पुत्री के कपड़े फाड़ दिये जिसे बचाने के लिए छोटा भाई सूरज कुमार, छब्बा देवी व माला देवी दौड़कर आयी तो सभी लोग लाठी, डण्डा से इन लोगों को भी मारे पीटे जिससे उन लोगों को काफी चोटे आयी। शोर मचाने पर गांव के तमाम लोग आये और बीच बचाव किये तब उनकी जान बची। वह घायलों को लेकर थाना कप्तानगंज गयी परन्तु कप्तानगंज थाने की पुलिस ने न तो मुकदमा लिखा और न ही चोटों का डाक्टरी मुआयना ही करवाया उस लगातार दौड़ाते रहे परन्तु आज तक मुकदमा दर्ज नहीं किया। पीड़िता ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर व चोटहिलों का डाक्टरी मुआयना कराने और न्याय दिलाने की मांग किया है।

नवाचार मेले में शिक्षकों ने लगाई प्रदर्शनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में गुरुवार को बेस्ट प्रैक्टिसेस, नॉलेज शेयरिंग, टीएलएम निर्माण एवं नवाचार मेला के द्वितीय दिवस का आयोजन किया गया। दूसरे दिन नवाचार मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि सह जिला विद्यालय निरीक्षक विकास श्रीवास्तव तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी के द्वारा किया गया। डायट के स्टाफ द्वारा अतिथियों का बुके और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। नवाचार मेले में बेसिक के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक स्तर, माध्यमिक स्तर के शिक्षकों एवं डायट प्रवक्ताओं ने प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। प्रतिभागियों द्वारा भाषा, गणित व विज्ञान विषय से संबंधित बेस्ट प्रैक्टिसेस का प्रस्तुतिकरण एवं नवाचारी टीएलएम की प्रदर्शनी लगाई गई। विकास श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में बताया गया है कि व्यावसायिक शिक्षण सीखने के केंद्र समावेश अपने शिक्षण विधाओं में करना चाहिए। कार्यशाला के नोडल डॉ गोविंद प्रसाद ने कहा कि टीएलएम के माध्यम से शिक्षण को रोचक और प्रभावी बनाया जा सकता है।

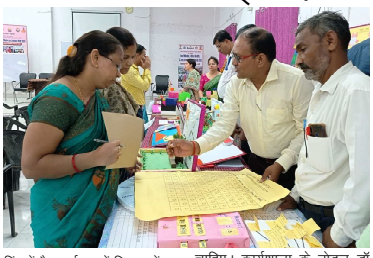

कार्यशाला एवं नवाचारी मेला में डॉ रविनाथ, अलीउद्दीन खान, शशि दर्शन त्रिपाठी, मो. इमरान खान, कुलदीप चौधरी, कल्याण पाण्डेय, अमन सेन, कुलदीप चौधरी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वन्दना चौधरी, आशीष श्रीवास्तव, सत्या पाण्डेय सहित बडी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरू ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ को पुण्यतिथि पर किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा गुरूवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूज्य गुरुदेव राष्ट्र संत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के पुण्यतिथि के निमित्त जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में संगोष्ठी एवं सहभोज का आयोजन प्रेस क्लब सभागार में किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये राजमाता श्रीमती आसमा सिंह ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ श्री रामजन्म भूमि के प्राण थे। सबको साथ लेकर चलने की उनमें विलक्षण प्रतिभा थी। उसी के परिणाम स्वरूप श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के साथ सभी संप्रदायों, दार्शनिक परम्पराओं के संत जुड़ते चले गए और लक्ष्य पूर्ण हुआ। गोरखनाथ मंदिर की वर्तमान भव्यता, शानदार वास्तुशिल्प महंत अवेद्यनाथ की ही देन है। उन्होने अस्पताल, स्कूलों की स्थापना कर लोकमंगल की भूमिका को नई दिशा दिया, उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

-लोकमंगल की भूमिका के लिये सदैव याद किये जायेंगे महंत अवेद्यनाथ-आसमा सिंह

मुख्य वक्ता महासंघ के प्रदेश मंत्री दिग्विजय सिंह राना ने कहा कि अपने समय में महंत अवेद्यनाथ ने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोरक्षपीठ की शैक्षिक और सांस्कृतिक परंपरा को समृद्ध किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और लोककल्याण को सर्वोपरि माना। उनका योगदान हम सबको सदैव प्रेरणा देगा। गोष्ठी को चंद्रशेखर कमलापुरी, कुलदीप मिश्रा , महंत गिरिजेश दास, अखिलेश मिश्रा आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि हिन्दू समाज की एकता, परस्पर समन्वय से प्रगति ही महंत अवेद्यनाथ को सच्ची श्रद्धांजलि है।

महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महन्थ अवेद्यनाथ जी ने हिन्दू धर्म की आध्यात्मिक साधना के साथ 'सामाजिक हिन्दू' साधना को भी आगे बढाया और सामाजिक जनजागरण को अधिक महत्वपूर्ण मानकर हिन्दू धर्म के सोशल इंजीनियरिंग पर बल दिया । बहुसंख्यक समाज को जोड़ने के लिए सहभोजों के क्रम में महंत अवेद्यनाथ ने बनारस में संतों के साथ डोमराजा के घर सहभोज कर उदाहरण प्रस्तुत किया। 12 सितम्बर 2014 को महन्थ अवेद्यनाथ ब्रम्हलीन हो गये। उनके सपनों, संकल्पों को पूरा करने का दायित्व हम सबका है।

गोष्ठी और सहभोज में मुख्य रूप से विजय शंकर शुक्ला, अमरजीत सिंह, राजकुमार, मंटू चौधरी, मुन्ना सिंह, बालकृष्ण सिंह, राकेश सिंह, विपिन सिंह, जय सिंह, डब्लू सिंह, राणा जगत मोहन सिंह, बिक्कू, रूप नारायण गौड़, अंकित सिंह, राहुल श्रीवास्तव, मोहंती गुप्ता, किशन गुप्ता, अमरदीप श्रीवास्तव, अजय मिश्रा, विवेक सिंह, अभिजीत सिंह, राजेश सिंह, अतुल पांडेय, राजू दुबे, आशीष तिवारी, शिवम तिवारी, उदय पाण्डेय, बालकृष्ण सिंह, पूनम सिंह, अनुसूया पाण्डेय ,रोशनी यादव, चांदनी त्रिपाठी ,सरिता राज सहित विश्व हिन्दू महासंघ के सैकड़ो पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर प्राविधिक सहायक धरने पर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्राविधिक सहायक भानुशंकर पर जानलेवा हमले के मामले में गुरूवार को तीन सूत्रीय मांगों को लेकर अधीनस्थ कृषि सेवा संघ जिलाध्यक्ष अभिषेक के नेतृत्व में कर्मचारियों ने उप कृषि निदेशक कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया। मांग किया कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर प्राविधिक सहायकों के सुरक्षा की व्यवस्था के साथ ही मुकदमें में दोषियों के विरूद्ध गंभीर धायायें लगाई जाय।

धरना स्थल पर उप कृषि निदेशक अशोक कुमार, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी बाबूराम, हरेन्द्र प्रसाद आदि ने समर्थन दिया। संयुक्त कृषि निदेशक अविनाश चन्द्र तिवारी ने प्राविधिक सहायकों से वार्ता के बाद उच्चाधिकारियों को समस्याआ के प्रभावी समाधान के लिये पत्र लिखा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंत्री तौलू प्रसाद, उत्तर प्रदेशीय एग्री मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, राजकीय वाहन चालक महासंघ अध्यक्ष वेद प्रकाश मिश्र, स्टेनो ग्राफर महासंघ सचिव दीपनरायन वर्मा, लघु सिंचाई संघ अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, रामस्वारथ चौधरी के साथ ही अनेक कर्मचारी संगठनों ने अपना समर्थन दिया। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि जब तक तीन सूत्रीय मांगों को मान नहीं लिया जाता धरना जारी रहेगा। लेखपाल संघ अध्यक्ष ने भी धरने में शामिल होने का आश्वासन दिया है।

-कर्मचारी संगठनों, अधिकारियों ने दिया समर्थन
-दोषियों के गिरफ्तारी, प्राविधिक सहायकों के सुरक्षा की मांग

अधीनस्थ कृषि सेवा संघ जिलाध्यक्ष अभिषेक ने कहा कि रूधौली पुलिस ने अभी तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि तीन गिरफ्तार नहीं किये गये हैं। जब तक प्रभावी कार्यवाही के साथ ही मामले में दोषियों के विरूद्ध गंभीर धाराओं में परिवर्तित कर न्याय नहीं मिल जाता अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

धरने में मुख्य रूप से हेरम्बनाथ त्रिपाठी, दिलीप चौधरी, विजय वर्मा, शिवपाल, क्षितिज, मुकेश कुमार, अमित कुमार, अनुपम कुमार, आनन्द कुमार सिंह, रामलल्लन, धीरेन्द्र वर्मा, पवन कुमार, राधेश्याम, अंजनी कुमार यादव, रामकृष्ण शुक्ला, हरिलाल जायसवार, राजेन्द्र प्रसाद, वृजेश कुमार निषाद, सदानन्द मौर्य, अरून कुमार, राजू, धर्मेन्द्र वर्मा, अम्बिकेश प्रताप सिंह, संदीप अमेटा, विपिन, संकटहरण पाण्डेय, गजेन्द्र त्रिपाठी, पवन मिश्र, राजकुमार चौहान, जंग बहादुर, अखिलेश चन्द्र, दीपक, चन्द्र प्रकाश के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 सितम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

डाक्टर, मरीज और आन्दोलन

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है। राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है। निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है। लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते। पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है। ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था। लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया। एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है। सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है। असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर–दर की ठोकरें खाते देखा गया है। राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए। निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता। साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा।

निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए। उनकी अस्पतालों में अनुपस्थिति जहां रोगियों की मुश्किलें बढ़ाती है, वहीं चिकित्सा जैसे आदर्श पेशे के प्रति जनता के विश्वास को भी घटाती है। यही वजह है, अदालत को कहना पड़ा कि आदेश के पालन से इनकार करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसमें दो राय कि देश के चिकित्सा संस्थानों तथा अस्पतालों में असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। इन मुद्दों का अविलंब निस्तारण होना भी चाहिए। लेकिन उन्हें इस बात का भी अहसास होना चाहिए कि लंबे समय तक इस तरह की अवज्ञा न्याय को कमजोर करती है। निस्संदेह, पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों के अपने काम पर लौटने का वक्त आ गया है। जिससे उपचार तथा न्याय बिना देरी के आगे बढ़ सकें। लेकिन साथ ही राज्य सरकार को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि क्यों चिकित्सा बिरादरी व आम लोगों में उसकी कारगुजारी को लेकर अविश्वास पैदा हुआ है। क्यों कलकत्ता हाईकोर्ट को मामले की जांच सीबीआई को सौंपनी पड़ी। आखिर क्यों इस मामले में अभियुक्त व मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल की गिरफ्तारी के बाद भी आक्रोशित डॉक्टरों का भरोसा नहीं लौट रहा है। निस्संदेह, ये हालत शासन–प्रशासन की कारगुजारियों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। वहीं दूसरी ओर हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों को नोटिस दिए जाने से भी बात बनती नजर नहीं आ रही है। लेकिन एक बात तो साफ है कि सरकार व हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों में टकराव की कीमत मरीजों को चुकानी पड़ रही है। वैसे कोई भी सरकार दावा नहीं कर सकती कि उसके यहां अपराध नहीं होते और भविष्य में नहीं होंगे। लेकिन इसके बावजूद किसी भी वारदात के बाद शासन–प्रशासन से संवेदनशील व्यवहार की तो उम्मीद की ही जानी चाहिए। इस मामले में ममता सरकार से कई मामलों में चूक हुई है, जिसके चलते डॉक्टरों को सड़कों पर उतरना पड़ा है। उन्हें आशंका थी कि शायद पीड़िता को न्याय न मिल सके। बहरहाल, संकट का शीघ्र समाधान जरूरी है।

लोकतंत्र में जनता की सर्वोच्चता निर्विवाद

–विश्वनाथ सचदेव–

कुछ अरसा पहले वाराणसी में एक टी.वी. इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ ऐसा कह दिया था, जिससे कोई भी चौंक सकता था। प्रधानमंत्री ने कहा था, 'पहले मैं यह माना करता था कि मेरा जन्म बायलॉजिकल था। कालांतर में मुझे विश्वास हो गया कि मुझे भगवान ने किसी विशेष काम के लिए भेजा है'। उनके इस कथन ने बहुतों को चौंकाया था। ऐसा नहीं है कि अलौकिक शक्तियों से युक्त होने के दावे पहले नहीं किये गये, पर अक्सर ऐसी बातों को भुला दिया जाता है। प्रधानमंत्री की 'गैर बायलॉजिकल' होने वाली बात को भी भुला ही दिया गया था। अच्छी बात यह भी है कि स्वयं प्रधानमंत्री ने भी अपनी इस बात को दुहराना जरूरी नहीं समझा। लेकिन हाल ही में केरल में हुई संघ–परिवार की तीन दिवसीय बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने बिना प्रधानमंत्री का नाम लिए कुछ ऐसा कहना जरूरी समझा कि अनायास ही प्रधानमंत्री की कही बात याद आ गयी। भागवत ने केरल में कहा, किसी को स्वयं को भगवान नहीं समझना चाहिए, भगवान लोग बनाते हैं'। ज्ञातव्य है कि संघ–प्रमुख बिना किसी का नाम लिए यह भी कह चुके हैं कि एक स्वयंसेवक को अहंकारी नहीं होना चाहिए।

संघ–प्रमुख ने भले ही अपने भाषण में किसी का नाम न लिया हो, पर समझने वालों के लिए संकेत समझना मुश्किल नहीं था। और अब इस बारे में कयास लगाये जा रहे हैं कि उन्होंने यह बात कहना जरूरी क्यों समझा।

बहरहाल, आजादी मिलने से कुछ ही पहले की बात है। जवाहरलाल नेहरू ने 'चाणक्य' छद्मनाम से एक लेख लिखकर देश की जनता को सावधान किया था कि यदि जवाहरलाल नेहरू को नियंत्रित नहीं रखा गया तो यह व्यक्ति तानाशाह भी बन सकता है। उनके शब्द भले ही कुछ और रहे हों, पर मंतव्य यही था। उन्होंने देश की जनता को आगाह किया था कि जनतांत्रिक व्यवस्था में किसी को भी स्वयं को अपनी कथित अलौकिकता का दावा करने का अधिकार नहीं है। महान वही है जिसे जनता उसके कार्यों के आधार पर महान समझे। जवाहरलाल नेहरू ने जब छद्मनाम से वह लेख लिखा था तो वे वस्तुतः स्वयं को आगाह कर रहे थे कि उन्हें संयम से, सीमा में, रहना होगा। आज मोहन भागवत स्वयं को भगवान समझने वालों को यही संदेश दे रहे हैं। वस्तुतः यह संदेश नहीं, चेतावनी है। उनके लिए भी चेतावनी जो स्वयं को महान अथवा अलौकिक समझते हैं, और जनता के लिए भी जो किसी कथित अलौकिकता का शिकार बन सकती है, बन जाती है। नेताओं को संयम में रहना चाहिए, और जनता को भी उनकी नकेल अपने हाथ से नहीं छोड़नी चाहिए।

अब्राहम लिंकन ने कहा था, जनतंत्र शासन की उस प्रणाली का नाम है जिसमें सरकार जनता की होती है, जनता के लिए होती है, और जनता के द्वारा चलायी जाती है। अर्थात जनता सर्वोपरि है। कोई भी नेता चाहे कितना भी महान क्यों न हो, देवता या भगवान होने का दावा नहीं कर सकता। जनतंत्र में इस तरह की सोच के लिए कोई स्थान नहीं है।

केरल की उस बैठक में संघ–परिवार के सभी घटक सम्मिलित हुए थे। संघ की राजनीतिक शाखा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी वहां उपस्थित थे। हाल ही में हुए आम चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा–अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में यह कहा था कि 'अब भाजपा को संघ की बैसाखी की आवश्यकता नहीं है।' संघ के नेतृत्व को यह बात रास नहीं आयी, और कहते हैं, भाजपा को चुनाव में पर्याप्त सफलता न मिलने का एक कारण संघ के स्वयंसेवकों की बेरुखी भी थी। संघ प्रमुख द्वारा बार–बार बिना नाम लिए प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाना भी यह बताता है कि संघ और भाजपा के रिश्तों में कहीं कुछ खटास आयी है। यह खटास कैसे दूर हो सकती है, इस बारे में संबंधित पक्षों को ही सोचना और कुछ करना होगा। लेकिन भाजपा के नेतृत्व को, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को, कुछ निर्णायक कदम उठाने ही होंगे।

संघ अपनी भूमिका वही मानता है जो श्रीकृष्ण ने महाभारत में निभायी थी। संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर से जब यह पूछा गया कि क्या संघ सत्ता चाहता है तो उन्होंने कहा था, 'हमारा आदर्श श्रीकृष्ण हैं, जिनकी मुट्ठी में एक पूरा साम्राज्य था, पर जिन्होंने सत्ता हाथ में लेने से इनकार कर दिया था।' आरएसएस आज भी वही भूमिका निभाना चाहता है, लेकिन यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि गुरु गोलवलकर ने यह बात लगभग 75 साल पहले कही थी। तब से लेकर अब तक बहुत कुछ बदल चुका है। फिर भी, भाजपा वर्तमान सरसंघचालक की बातों की अवहेलना नहीं कर सकती।

भाजपा के नेतृत्व को यह समझना होगा कि विपक्ष दुश्मन नहीं होता, कि जनतांत्रिक व्यवस्था में अहंकार के लिए कोई स्थान नहीं है, कि कोई अपने आप को सर्वोपरि मानकर देश का नेतृत्व नहीं कर सकता।

आज भी विश्व–व्यवस्था में भारत जैसे बड़े देश का अपना महत्व है। आजादी मिलने के बाद से ही विश्व भारत की ओर आशाभरी निगाहों से देखता आ रहा है। हमारी गुट–निरपेक्षता की नीति कई बार अपना महत्व रेखांकित कर चुकी है। आज भी प्रधानमंत्री से अपेक्षा की जा रही है कि वे दुनिया पर गहराते युद्ध के बादलों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। रूस और यूक्रेन में चल रहा युद्ध हो अथवा इस्राइल–फलस्तीन की लड़ाई, भारत की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। प्रधानमंत्री इस दिशा में सक्रिय दिखाई भी दे रहे हैं, पर यह कार्य मणिपुर जैसे राज्य की अवहेलना करके नहीं होना चाहिए। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी कुछ हैरान करती है। कुछ विशेष करने के लिए भेजे जाने वाले व्यक्ति को हर मोर्चे पर अपनी महत्ता प्रमाणित करनी होगी!

बहरहाल, स्वयं को अविनाशी मानना अथवा गैर–जैविक समझना एक तरह से दंभ को ही प्रकट करता है। संघ–प्रमुख ने, पता नहीं क्या सोचकर किसी के भगवान न होने वाली बात कही है, पर इस बात को हलके में नहीं लिया जाना चाहिए। संभव है यह बात संघ और भाजपा के रिश्तों में आये तनाव का परिणाम हो, पर यह बात हर भारतीय को समझनी होगी कि देवत्व के किसी दावे के लिए इक्कीसवीं सदी की दुनिया में कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जम्मू–कश्मीर चुनाव और भाजपा

–नीरज कुमार दुबे–

कश्मीर घाटी में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत कर अपना पार्टी संगठन खड़ा किया था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके पास समर्थकों की अच्छी खासी तादाद भी है लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे जिससे पार्टी के तमाम कार्यकर्ता नाराज बताये जा रहे हैं। हालांकि भाजपा इस नाराजगी को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही और उसका कहना है कि कश्मीरी जनता हमें उन 19 सीटों पर भारी बहुमत देगी जहां हमने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मगर कश्मीर घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर और अपने दम पर सरकार बनाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी भाजपा इस केंद्र शासित प्रदेश में बिल्कुल नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा जम्मू–कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत तो चाह रही है मगर उसने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे हैं इसलिए सवाल उठ रहा है कि जब सभी सीटों पर वह लड़ ही नहीं रही है तो सरकार कैसे बना लेगी? हम आपको बता दें कि भाजपा घाटी की सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। देखा जाये तो कश्मीर घाटी में 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का भाजपा का फैसला हैरानी भरा है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि पार्टी जम्मू–कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। गत सप्ताह भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आये अमित शाह ने दावा किया था कि भाजपा ही केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाएगी। इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा सरकार बनाने लायक नंबर कहां से लायेगी?

हम आपको बता दें कि कश्मीर घाटी में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत कर अपना पार्टी संगठन खड़ा किया था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके पास समर्थकों की अच्छी खासी तादाद भी है लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे जिससे पार्टी के तमाम कार्यकर्ता नाराज बताये जा रहे हैं। हालांकि भाजपा इस नाराजगी को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही और उसका कहना है कि कश्मीरी जनता हमें उन 19 सीटों पर भारी बहुमत देगी जहां हमने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मगर कश्मीर घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है। श्रीनगर में एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि हमने वर्षों से विपरीत माहौल में पार्टी को खड़ा करने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन जब हमें पुरस्कृत करने का समय आया, तो पार्टी ने हम पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने या तो सीटें छोड़ दीं या ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जो पार्टी में नए हैं।

कश्मीर घाटी के भाजपा नेता और कार्यकर्ता अमित शाह के वादे पर भी सवाल उठा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि इसी साल मई में घाटी की अपनी यात्रा के दौरान, भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करते हुए अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान कश्मीर घाटी की सभी तीन सीटों को छोड़ने के फैसले पर खेद व्यक्त किया था। हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा चुनावों में जम्मू में आने वाली दो सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी और उसने कश्मीर की तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। अमित शाह ने उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं से जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा था कि भाजपा इस बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

इसलिए सवाल उठ रहा है नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिये गये आश्वासन के बावजूद भाजपा ने अपना मन क्यों बदला? हम आपको बता दें कि कश्मीर में पार्टी के 19 उम्मीदवारों में दक्षिण कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से आठ, मध्य कश्मीर की 15 में से छह और उत्तरी कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से पांच शामिल हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि वह घाटी में किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर रहे हैं और केवल 19 उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का निर्णय एक सोचा समझा फैसला है ताकि कुछ स्वतंत्र उम्मीदवारों को जीत हासिल करने में मदद मिल सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनावों में भी कश्मीर घाटी की तीनों लोकसभा सीटें इसलिए छोड़ी गयीं थीं कि अन्य ताकतवर उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को हरा सकें और पार्टी की वह रणनीति कामयाब रही थी। भाजपा सूत्रों का कहना है कि कश्मीर घाटी में इस बार कई स्वतंत्र उम्मीदवार जीतने की हैसियत रखते हैं इसलिए उनकी राह में बाधा बनना सही नहीं है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह स्वतंत्र उम्मीदवार जीत हासिल करते हैं तो सरकार बनने की स्थिति में पार्टी की मदद कर सकते हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला इसलिए भी लिया गया है ताकि वंशवादी राजनीति करने वाले नेताओं को हराने में अन्य प्रबल उम्मीदवारों की मदद की जा सके।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व जानता है कि श्रीनगर की एक सीट पर ही उसकी जीत की पूरी संभावना है। इसलिए छोड़ी गयी सीटों पर सीधे पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतार कर डमी उम्मीदवार उतारे गये हैं जो समय आने पर भाजपा के लिए मददगार साबित होंगे। हालांकि भाजपा की इस रणनीति को कश्मीरी नेता बखूबी समझ रहे हैं। हम आपको बता दें कि नेशनल कांफ्रेंस का अब्दुल्ला परिवार और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती खुलेआम कह रहे हैं कि भाजपा ने निर्दलीयों और नये दलों की फौज उतार दी है ताकि कश्मीर में दशकों से राजनीति कर रहे दलों के समीकरण बिगड़ जायें। यही नहीं, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से भाजपा उम्मीदवार रफीक वानी ने भी खुले तौर पर दावा कर दिया है कि नए क्षेत्रीय दल और निर्दलीय हमारे ही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि इंजीनियर राशिद हमारे हैं, सज्जाद लोन भी हमारे हैं, अल्ताफ बुखारी भी हमारे हैं और गुलाम नबी आजाद भी हमारे ही हैं, निर्दलीय उम्मीदवार भी हमारे ही हैं।

हम आपको बता दें कि भाजपा का प्रयास है कि उसे जम्मू में 35 और कश्मीर से सभी 19 सीटें मिल जाएं ताकि 90 सदस्यीय विधानसभा में वह स्पष्ट बहुमत हासिल कर सके। भाजपा को यह भी लगता है कि कश्मीर में पांच पार्टियां समय आने पर उसका समर्थन कर सकती हैं। घाटी में चर्चाएं तो यहां तक हैं कि अभी कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही नेशनल कांफ्रेंस भी जरूरत पड़ने पर सरकार गठन के लिए भाजपा के साथ जा सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नेशनल कांफ्रेंस एनडीए का हिस्सा रह चुकी है। उस समय उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे।

बहरहाल, घाटी की 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारने के फैसले के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रचार की शुरुआत कश्मीर घाटी से ही करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए 19 सितंबर को श्रीनगर में शेर–ए–कश्मीर पार्क में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है कि इस रैली में करीब 30,000 पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। देखना होगा कि जम्मू–कश्मीर की राजनीति का ऊँट किस करवट बैठता है?

शुद्ध पेयजल की जरूरत

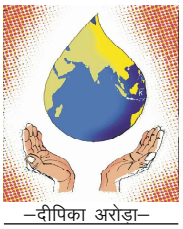

–दीपिका अरोडा–

जल, जिसे जीवन भी कहा जाता है, किसी वरदान से कम नहीं है। इसके बिना जीने की कल्पना भी असंभव है। भारत, जो विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या का निवास स्थान है, कुल वैश्विक भूजल का एक–चौथाई से अधिक उपयोग करता है। यदि पेयजल की उपलब्धता की बात करें तो वर्तमान में भारत के पास विश्व के मीठे जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत मौजूद है। देश की आवश्यकताओं को देखते हुए इसे चुनौतीपूर्ण स्थिति कहा जा सकता है। 'जल संचय जन भागीदारी पहल' की शुरुआत पर प्रधानमंत्री भी इसी विषय पर चिंता प्रकट करते नजर आए। घटते भूजल स्तर के मद्देनजर देश के प्रत्येक नागरिक को इसका दुरुपयोग रोकने और पुनर्चक्रण के मंत्र को अपनाने की जरूरत है।

जल संकट कमोबेश समूचे देश को अपनी चपेट में लेता जा रहा है। देश के अनेक हिस्से जल उपलब्धता से वंचित हैं। बीते दिनों दिल्ली और बेंगलुरु में पानी की भारी किल्लत देखने को मिली। राष्ट्रीय राजधानी के कई क्षेत्र ड्राई जोन घोषित किए गए। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय जल संकट का सामना कर रहे हैं। सुरक्षित जल की अपर्याप्त पहुंच के कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोग मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। यूनिसेफ द्वारा 18 मार्च, 2021 को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 9.14 करोड़ बच्चे जलाभाव की गंभीर स्थिति से जूझ रहे हैं।

पेयजल की बढ़ती कमी में विगत कुछ वर्षों से वर्षा का बदलता प्रतिरूप काफी हद तक जिम्मेदार है। अनियमित एवं कम बारिश तथा बढ़ते तापमान के कारण सूखे जैसे हालात उत्पन्न हो रहे हैं। औद्योगिक व शहरी उपयोग के साथ भारत की 60 प्रतिशत से अधिक कृषि और 85 प्रतिशत पेयजल आपूर्ति भूजल पर निर्भर है। देश की निरंतर बढ़ती जनसंख्या के दृष्टिगत मांग का आपूर्ति पर भारी पड़ना असंतुलन का दायरा कई गुणा बढ़ा देता है। अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के चलते अकारण जल रिसाव, वितरण में असमानता, अकुशल सिंचाई, अत्यधिक दोहन और जल संरक्षण के उपायों की कमी ने भी जल संकट बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

औद्योगिक कचरा, विविध रसायन, सीवेज और घरेलू अपशिष्ट जल स्रोतों में फेंकने अथवा आसपास डंप करने से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे शुद्ध जल की मात्रा घट जाती है। लाखों भारतीयों तक सुरक्षित पेयजल की पहुंच न होने से जलजनित बीमारियों के मामले बढ़ गए हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 163 मिलियन भारतीय सुरक्षित जल से वंचित हैं। 21 प्रतिशत संचारी रोग असुरक्षित जल से जुड़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों की सूची में 120वें स्थान पर है, जहां लगभग 70 प्रतिशत जल संदूषित है।

जल प्रदूषण और दुरुपयोग का यह सिलसिला यूं ही जारी रहा तो वह दिन दूर नहीं जब देश की आधी से अधिक आबादी जल संकट से जूझेगी। डीसीएम श्रीराम और सत्व नॉलेज की मार्च, 2024 में आई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक देश के 50 प्रतिशत से अधिक जिलों में पानी की समस्या बढ़ सकती है। इस दौरान प्रति व्यक्ति पानी की मांग में 30 प्रतिशत और उपलब्धता में 15 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, यदि यही स्थिति रही तो 2050 तक देश में मौजूद जल का 40 प्रतिशत हिस्सा समाप्त हो सकता है।

जल संरक्षण के संदर्भ में नियम–कानून बने होने तथा केंद्र–राज्य सरकारों द्वारा जल संरक्षण के प्रति जन जागृति फैलाने के लिए 'अटल भूजल योजना', 'कैच द रेन' और 'जल जीवन मिशन' जैसी अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। बावजूद इसके यदि हालात न सुधरें, तो स्पष्ट तौर पर न तो लोग इसे गंभीरता से ले रहे हैं और न ही नियम–कानूनों का समुचित क्रियान्वयन संभव हो पा रहा है। भारत का नाम जल संकट के अतिसंवेदनशील माने जाने वाले 37 देशों में सूचीबद्ध होना गहन मंथन का विषय है। जल संरक्षण के लिए आवश्यक है कि नवीन तकनीकों और नीतियों को अपनाते हुए ड्रिप सिंचाई जैसी टिकाऊ कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए।

जैसा कि प्रधानमंत्री ने भी कहा, प्रकृति संरक्षण भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा रहा है। जल संचय केवल नीतियों तक सीमित न होकर एक पुण्यकर्म भी है, जिसमें उदारता और उत्तरदायित्व दोनों समाहित हैं। दूसरे शब्दों में, जल संरक्षण सामाजिक निष्ठा का भी विषय है, जिसका पालन हमारे पूर्वजों के लिए सर्वोपरि रहा। जल संकट एक स्वास्थ्य संकट है।,

बौद्ध तपोस्थली के विनियमित क्षेत्र में अतिक्रमण कर बनी मजार, हिंदू संगठनों ने जताया विरोध

संवाददाता–श्रावस्ती। बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती के विनियमित क्षेत्र में स्थित मजार व वक्फ बोर्ड की भूमि को लेकर एक बार पुनरू मामला तूल पकड़ने लगा है। बृहस्पतिवार को हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओ ने इकौना तहसील में प्रदर्शन कर एसडीएम व श्रावस्ती विधायक को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसके बाद एसडीएम व विधायक ने दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान मजार कमेटी की ओर से कोई भी अभिलेख प्रस्तुत न करने पर एसडीएम ने कार्रवाई करने की बात कही। एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में इकौना के मोहल्ला आजाद नगर निवासी कन्हैया लाल कसौधन ने कहा है कि बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती विनियमित क्षेत्र है। यहां राजगढ़ गुलहरिया का गाटा संख्या 1392 रकबा 1.509 हेक्टेअर भूमि सहेट महेट के नाम महफूज है। यह पुरातत्व विभाग द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण के अंतर्गत आता है। जिसकी 200 मीटर परिधि में बगैर अनुमति कोई निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है। इसी संरक्षित भूमि के कुछ भाग पर एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा सुनियोजित तरीके से कथित मीर शाह मजार बनाकर अवैध कब्जा कर लिया गया है। साथ ही सर्वेक्षण के चिह्नित भूमि पर सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ मकान नंबर 02 इंतेजामिया कमेटी दरगाह हजरत सैयद मीर शाह का बोर्ड लगा दिया है। 30 जून को इसकी शिकायत पर एसडीएम इकौना के निर्देश पर जांच कर अतिक्रमण हटवा कर पांच दिन में रिपोर्ट देने की बात कही गई थी। लेकिन पुरातत्व विभाग ने अस्थाई तौर पर बोर्ड को झुकाकर फौरी कार्रवाई कर दिया जिस पर मजार संचालन करने वाले लोगों द्वारा पुनः कब्जा कर लिया गया है जिसे हटवाने की मांग की गई है। हिंदू संगठनों की ओर से दिए गए ज्ञापन के बाद एसडीएम इकौना ओम प्रकाश, श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय, सीओ सतीश शर्मा व थानाध्यक्ष कटरा गणनाथ प्रसाद ने मौका मुआयना किया। जहां न सिर्फ बृहस्पतिवार को मेला लगा मिला बल्कि पेड़ के नीचे कई चबूतरा व करीब पांच बीघा भूमि पर कब्जा मिला। इतना ही नहीं मजार में स्थाई पक्का निर्माण भी मिला। इस पर एसडीएम ने वहां मौजूद चक्रभंडार के पूर्व प्रधान मुस्ताक से जानकारी मांगी तो उन्होंने बताया कि मजार के नाम पर पुरातत्व विभाग से 120 वर्ष का पट्टा है। कागज मांगने पर वहां मौजूद लोग बगल झांकने लगे। श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडेय का कहना है कि यह भूमि पुरातत्व विभाग की है। जिस पर अतिक्रमण किया गया है। इसे खाली करवा कर पुरातत्व विभाग को सौंपा जाएगा। इकौना एसडीएम ओम प्रकाश का कहना है कि मजार व बाउंड्रीवाल सहित वक्फ बोर्ड से संबंधित कागजात मांगा गया है। यदि इसे प्रस्तुत न किया गया तो विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ढोल–नगाड़ों के बीच विदा किए गए विघ्न विनाशक सिसवा के महाराज

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा कस्बे में गुरुवार को आकर्षक झांकियों, गाजे–बाजे, ढ़ोल–ताशों के साथ भक्ति भाव के बीच गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की शोभा यात्रा निकाली गई। नगर में स्थापित लगभग एक दर्जन गणेश प्रतिमाओं को श्रद्धालुओं ने डांडिया नृत्य के साथ विदा करते हुए देर रात तक नारायणी नदी के खेखडा घाट पर विसर्जित किया। कस्बे के इस्टेट चौक, हनुमान गढ़ी, सब्जी मंडी, गोपाल नगर, श्रीरामजानकी मंदिर तिराहा, फलमंडी, सब्जी मंडी, रेलवे स्टेशन रोड, अमरपुरवा तिराहा, गजरू टोला सहित विभिन्न स्थानों पर स्थापित गणेश प्रतिमाएं अपराह्न तीन बजे से इस्टेट हाते में एकत्र हुईं। प्रशासन द्वारा समितियों को दिए गए क्रमबद्ध नंबरों के अनुसार सिसवा के महाराज के रूप में गणपति की शोभाध्पालकी यात्रा के साथ डोल जुलूस नगर में निकाला गया। जुलूस में विभिन्न समितियों की महिलाओं, युवतियों द्वारा प्रस्तुत डांडिया नृत्य सभी का मन मोह रहे थे। साथ ही समितियों के युवा डीजे की धुन पर थिरकते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रीरामजानकी मंदिर रोड, अमरपुरवा, गोपालनगर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन रोड, फलमंडी, सायर स्थान रोड, मस्जिदिया ढ़ाला होते हुए खेखड़ा घाट पर पहुंचा, जहाँ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एसडीएम निचलौल, सीओ अनुज सिंह, थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह, चौकी इंचार्ज बृजभान यादव सहित जिले के लगभग आधा दर्जन थानों की फोर्स के साथ महिला थाना व पीएसी के जवान तैनात रहे। विसर्जन शोभायात्रा में हिन्दू कल्याण मंच व हनुमान गढ़ी द्वारा निकाली गई सिसवा के महाराज की शोभायात्रा में बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत डांडिया नृत्य श्रद्धालुओं को बरबस खींच रहे थे। दोनों समितियों के ढोल नगाड़ों व डांडिया नृत्य की लोगों ने जमकर सराहना की। शोभा यात्रा में कृष्णमुरारी सिंह, रवि यादव, रविराज जायसवाल, सोनू जायसवाल, प्रमोद मद्धेशिया सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

रात भर चली छापेमारी, ढाई करोड़ का रक्त चंदन बरामद

संवाददाता–महराजगंज। इंडो–नेपाल बॉर्डर सोनौली से कस्टम की टीम ने बुधवार की शाम नेपाली ट्रक से रक्त चंदन की बरामदगी के बाद पूरी रात छापेमारी की। ट्रक के अंदर कैंबिटी से डेढ़ टन रक्त चंदन बरामद होने के बाद सुरक्षा एजेंसी के जिम्मेदारों के माथे पर बल आ गए। फिर पूरी रात एक गोदाम में छापेमारी की गई तो रक्त चंदन की खेप ढाई टन तक पहुंच गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत ढाई करोड़ बताई जा रही है। कस्टम उपायुक्त वैभव सिंह ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में इस बरामदगी का खुलासा किया। बताया कि टीम को देर शाम नौतनवा बाईपास के एक गोदाम से चंदन की लकड़ी ट्रक में लोड किए जाने की जानकारी मिली। इसके बाद कस्टम विभाग ने बंद पड़े उक्त गोदाम में छापेमारी की तो वहां पर छिपाकर रखा गया करीब एक टन रक्त चंदन की लकड़ी बरामद हुई। वहीं ट्रक से डेढ़ टन चंदन की बरामदगी हुई। नेपाली ट्रक में नौतनवा के बाईपास स्थित एक गोदाम से ट्रक में बने कैबिटी में छिपाकर चंदन के बोटे रखे गए थे। बंद बॉडी के नेपाली ट्रक कुछ भी सामान लोड किये बिना नेपाल सीमा में प्रवेश करने वाला था कि सूचना के आधार पर कस्टम ने उसे रोक लिया। बाहर से कुछ नजर न आने पर अधिकारियों ने ट्रक के अंदर बने कैंबिटी को गैस कटर से कटवाए तो उसमें बड़े पैमाने पर रखी चंदन की लकड़ी देख सभी दंग रह गए। यहां से ट्रक को नौतनवा कस्टम कार्यालय लाया गया और पूरी टीम जांच में जुट गई।

कस्टम उपायुक्त वैभव सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों ने नौतनवा बाईपास स्थित एक गोदाम में छापेमारी शुरू कर दी। छापेमारी के दौरान देर रात उक्त गोदाम से कस्टम के अधिकारियों ने छिपाकर रखा रक्त चंदन बरामद कर लिया। कस्टम के अधिकारी अब इस बात की जानकारी करने में जुट गए हैं कि इतने बड़े पैमाने पर दूसरे राज्य से आने वाली चंदन की बेसकीमती लकड़ी नौतनवा कैसे पहुंच रही है? फिलहाल गोदाम संचालक के फरार होने से इन सवालों का जवाब कस्टम को अभी नहीं मिल सका है।

ट्रक में डेढ़ टन रक्त चंदन ही छिपाया जा सका था। शेष एक टन गोदाम में ही छोड़ दिया गया था, जिसे दूसरी खेप में पार कराने की योजना थी। नेपाली ट्रक नेपाल सीमा में दाखिल हो पाता उससे पहले ही कस्टम के अधिकारियों ने ट्रक को तो कब्जे में ले लिया, लेकिन सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देकर ट्रक चालक फरार हो गया। इसको लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

मनाया गया उदासीन संप्रदाय के संस्थापक श्री चंद्र भगवान का प्रकाशोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या– उदासीन संप्रदाय के संस्थापक भगवान श्री चंद्र जी का पूरा जीवन सनातन धर्म के प्रचार व प्रसार में समर्पित रहा। उनके द्वारा उदासीन आश्रमों का शिलान्यास करके सनातन धर्म को नई गति देने का प्रयास किया गया। अयोध्या में स्थापित संगत ऋषि उदासीन आश्रम जो कि सनातन धर्म की धरोहर हैं। यहां पर सनातन परंपरा को प्रफुल्लित, धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन, गुरुकुल प्रथा को जीवित रखने व समाज की सेवा के कार्य किए जा रहे है। 12 सितंबर गुरुवार को भगवान श्री चंद्र जी का 530वां जयंती महोत्सव मनाया गया।महंत डॉ भरत दास जी महाराज ने बताया कि उदासीनाचार्य भगवान श्री चंद्र जी महाराज का जन्म प्रादुर्भाव भाद्रपद शुक्ल नवमी विक्रम संवत 1551 में माता सुलक्ष्णा के गर्भ से गुरु नानक जी के पुत्र के रूप में जन्म लिया था।।श्री चंद्र जी महाराज आत्मनिष्ठ दृढ़ सकंल्प योग साधाना व पारदर्शिता के धनी थे। भगवान श्री चंद्र महाराज ने जन कल्याणार्थ अनेक रचनाएं की हैं। श्री भरत दास जी महाराज ने बताया की अयोध्या में श्री चंद्र भगवान की ही प्रेरणा से पूरा आश्रम पुष्पित पल्लवित हो रहा है और आज उनकी 530 वी जयंती उत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्री चंद्र भगवान की प्रतिमा का अभिषेक किया गया नवीन वस्त्र धारण कराया गया आरती पूजन किया गया और विविध प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भारत की सुरक्षा के लिए और सनातन धर्म को और मजबूत करने के लिए श्री चंद्र भगवान के पद चिन्हों पर चलने की आवश्यकता है। आश्रम में पधारे हुए संतों महंतों का स्वागत सत्कार, उदासीन आश्रम के प्रबंधक स्वामी माधवानंद महाराज ने महंत डॉ भरत दास महाराज के निर्देशन में किया। इस अवसर पर जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास, दिगंबर अखाड़ा के महंत सहित सैकड़ो संतों महंतों ने महाराज जी के व्यक्तित्व पर अपने भाव रूपी पुष्प अर्पित किए।

मुंह में शीशे का टुकड़ा डाल ठूंसा था मोजा, पैर भी बंधा, चाचा के बाथरूम में बेहोशी की हालत में मिली युवती

संवाददाता–महराजगंज। परतावल क्षेत्र के एक गांव में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। माता–पिता के साथ जयपुर से एक दिन पहले घर आई 24 वर्षीय युवती चाचा के हिस्से वाले मकान के बाथरूम में घायलावस्था में मिली। युवती बेहोशी की हालत में थी। युवती के मुंह में शीशे का टुकड़ा डाल मोजा ठूंसा था। उसके पैर भी बंधा था। चाचा का परिवार घर में मौजूद नहीं था। घटना की सूचना मिलते ही डायल–112 पुलिस मौके पर पहुंची।

थानाध्यक्ष श्यामदेउरवा व सीओ सदर आभा सिंह ने भी घटना स्थल की जांच की। तहरीर के आधार पर पुलिस अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच कर रही है। परतावल क्षेत्र के एक गांव में दो भाइयों के बीच जमीनी विवाद है। पिता की मौत के बाद घर का बंटवारा हो चुका है। छोटा बेटा नगर पंचायत परतावल के एक वार्ड में घर बनवाकर रहता है। बड़ा भाई पत्नी व बेटी के साथ जयपुर रहता है। बड़ा भाई मंगलवार को परिवार के साथ घर आया और छोटा भाई मंगलवार को ही विदेश जाने के लिए घर से निकला। गांव के जिस घर में बड़ा भाई परिवार के साथ अपने हिस्से में रहता है। छोटे भाई के हिस्से का घर खाली था। तहरीर के मुताबिक बुधवार की भोर में 3.48 बजे युवती अपनी मां को जगा कर शौचालय के तरफ चली गई। दस मिनट में जब वह नहीं लौटी तो युवती को उसके माता–पिता ढूंढने के लिए निकले। युवती अपने शौचालय में नहीं मिली। ढूंढने पर वह चाचा के बाथरूम में मिली। परिजनों का आरोप है कि युवती का पैर बंधा था। मुंह में शीशा का टुकड़ा डाला गया था। मोजा भी ठूंसा गया था। शरीर पर जख्म के कई निशान थे। वह बेहोशी हालत में थी। यह देख परिजनों ने डायल 112 को फोन किया। पानी छिड़कने के बाद युवती होश में आने के बाद परिजनों को बताई कि चार अज्ञात लोग उसे मारे–पीटे। कुछ सुंघा दिया।

चाकू से पैर पर वार किए। पुलिस मौके पर पहुंची। उसके पहले परिजन रस्सी खोल दिए थे। मुंह से शीशा व मोजा निकाल दिए थे। परिजन घायल युवती को लेकर थाने पहुंचे। वहां से आने के बाद परतावल सीएचसी में भर्ती कराया। बड़े भाई ने इस मामले में छोटे भाई व उसके परिवार व कुछ अन्य सहयोगियों पर घटना को लेकर आशंका जताई है।

बड़ा भाई छोटे भाई पर पिता की हत्या का लगा चुका है आरोप इस घटना से जुड़े मामले में भूमि विवाद का भी मामला सामने आ रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पिता ने छोटे बेटे की पत्नी के नाम कुछ जमीन बैनामा कर दिया था। पिता की मौत के बाद बड़े भाई ने छोटे भाई पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस घटना को संदिग्ध नजरों से भी देख रही है। सीओ सदर आभा सिंह ने बताया कि प्रकरण में तहरीर के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कई बिन्दुओं पर जांच चल रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

तेज हवा से बिजली व्यवस्था हो गई बदहाल

संवाददाता–श्रावस्ती। संवाददाता तेज हवा के साथ हो रही बारिश के कारण बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। कई स्थानों पर बुधवार रात से बिजली व्यवस्था बाधित हो गई। कहीं गुरुवार सुबह सप्लाई शुरू हो सकी तो कई स्थानों पर शाम तक बिजली नहीं पहुंची। विकास क्षेत्र जमुनहा हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र में तिवारी गांव फीडर से रात में बिजली आती जाती रही। रात में बारिश और हवा तेज चलने की वजह लाइन ब्रेक डाउन होकर बंद हो गई। दोपहर में बिजली सप्लाई पूरी तरह बहाल हो पायी। जबकि तिवारी गांव फीडर पर अधिक ओवर लोड होने के नाते क्षेत्र के लोगों को लो वोल्टेज से निजात नहीं मिल पा रही है। इसी तरह से विकास खंड जमुनहा के जमुनहा क्षेत्र में बिजली की समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। सुबह से शाम तक बिजली का आना जाना लगा रहता है। लो वोल्टेज के कारण पंखे नहीं चल पा रहे हैं। जबकि भंगहा पावर हॉउस से पांच घंटा भी बिजली नहीं मिल पा रही है। रोस्टर के अनुसार बिजली नहीं मिल पा रही है। वहीं ओवरलोड होने के कारण उपभोक्ता परेशान रहते है।

महंत अवेद्यनाथ तथा बाबा राम बालक दास को दी विनम्र भावहीनी श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। हिंदू महासभा से पूर्व सांसद व कई बार विधायक रह चुके पूर्व गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ तथा हिंदू महासभा के जिला महामंत्री संत प्रकोष्ठ हनुमानगढ़ी अयोध्या के प्रमुख संत बाबा राम बालक दास को हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए विनम्र भावभीनी श्रद्धांजलि प्रदान की, इस अवसर पर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि दोनों ही संतो का योगदान हिंदू महासभा के लिए अविस्मरणीय है उनके योगदान को हिंदू महासभा भूल नहीं सकती है, जहां एक और गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ जी महाराज हिंदू महासभा से सांसद चुने गए वहीं कई बार हिंदू महासभा से हुए विधायक भी रहे वही हनुमानगढ़ी अयोध्या के प्रमुख संत बाबा राम बालक दास जो कि काफी समय से बीमार चल रहे थे, के अचानक परलोक गमन होने से न सिर्फ हिंदू महासभा को बल्कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी काफी क्षति पहुंची है हिंदू भूतों के लिए सदैव संघर्ष करने वाले बाबा राम बालक दास जी महाराज के योगदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता, श्री पांडेय ने बताया कि हनुमानगढ़ी के प्रमुख संत बाबा राम बालक दास कई वर्षो तक उनके संघर्ष के साथी रहे ,और प्रत्येक आंदोलन में उन्होंने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, हिंदू महासभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता भानु प्रताप सिंह तथा राजेंद्र पांडे ने बाबा राम बालक दास जी महाराज को हिंदू हितों के लिए सदैव संघर्ष करने वाला व्यक्तित्व बताया बाबा राम बालक दास को श्रद्धांजलि देने वाले प्रमुख लोगों में हिंदू महासभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता भानु प्रताप सिंह, अजेंद्र पांडेय, चंद्रहास दीक्षित महंत राम लोचन शरण शास्त्री राजन बाबा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खनवापुर के कंपोजिट विद्यालय और बलहीजोत के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चे और शिक्षक परेशान

संवाददाता–गोण्डा। ब्लॉक क्षेत्र के दो परिषदीय विद्यालयों में करीब दो माह से जलभराव होने से बच्चों और शिक्षकों को दुश्वारी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के खनवापुर स्थित स्कूल के बच्चे पंचायत भवन में पढ़ रहे हैं। इससे ग्राम पंचायत के कामकाज पर असर पड़ रहा है। वहीं, बलहीजोत के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों को करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित प्राथमिक विद्यालय जाना पड़ता है। अभिभावकों ने विद्यालय परिसर से जल निकासी के साथ स्कूल जाने के लिए मार्ग ठीक करने की मांग जिले के आला–अफसरों से की है। विकासखंड रुपईडीह के ग्राम पंचायत खनवापुर में कंपोजिट विद्यालय तालाब के बगल बना है। थोड़ी सी बरसात होती ही विद्यालय परिसर के साथ आसपास जलभराव हो जाता है। इससे छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को विद्यालय आने–जाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपोजिट विद्यालय में 206 बच्चे नामांकित है। स्कूल में प्रधानाध्यापक सुशील कुमार पाठक, सहायक अध्यापक प्रेम नारायण मिश्रा, सीमा सिंह, सुरभि द्विवेदी, सुदीप यादव, विपिन कुमार सहित छह शिक्षकों की तैनाती है। करीब दो माह पहले हुई तेज बारिश के चलते कंपोजिट विद्यालय खनवापुर परिसर व आसपास जलभराव हो गया था।

शिक्षकों ने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को देते हुए विद्यालय बंद कर दिया तथा बच्चों को पंचायत भवन में पढ़ाना शुरू कर दिया। पंचायत भवन में जगह कम होने के चलते बच्चों को बैठकर पढ़ने में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। वहीं ग्राम पंचायत का कामकाज भी बाधित हो रहा है। ग्रामीणों को परिवार रजिस्टर नकल, आय, जाति, निवास, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है।

इसी प्रकार बलहीजोत ग्रामपंचायत के कहारनपुरवा में बने पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बगल भी तालाब है। यहां भी विद्यालय परिसर में करीब दो माह से पानी भरा है। इसके चलते बच्चों को ग्राम पंचायत के अब्दुलपुरवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। दो कक्ष वाले प्राथमिक स्कूल में कुल 82 बच्चे नामांकित हैं। स्कूल में तीन शिक्षक और दो शिक्षामित्र कार्यरत है। कहारनपुरवा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के 42 बच्चे भी दो माह से यहीं पढ़ रहे हैं। सिर्फ दो कक्ष होने की वजह से सभी बच्चों को बैठाकर पढ़ाने में दुश्वारी हो रही है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय में किसी तरह से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों से लेकर खंड विकास अधिकारी को दी गई लेकिन समस्या का कोई हल नहीं निकला। उधर, एडीओ पंचायत महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी करके इसका हल निकाला जाएगा। मनीष कुमार सिंह, खंड शिक्षाधिकारी ने कहा कि कंपोजिट विद्यालय खनवापुर एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय बलहीजोत का भवन तालाब के पास बना होने के चलते बरसात में जलस्तर बढ़ जाता है। इससे दोनों विद्यालयों में पानी भर जाता है। इसलिए इन विद्यालयों को गांव के पंचायत भवन में संचालित किया जा रहा है।

आकाशीय बिजली गिरने से 38 वर्षीय युवक की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। बुधवार रात से शुरू हुई गरज चमक का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। तेज हवा और बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। बारिश के कारण शप्ती का जलस्तर खतरे के निशान से 90 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया और बाढ़ का खतरा बन गया। बारिश के कारण कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। गुरुवार सुबह से ही झमाझम बारिश जारी रही। बारिश के बीच दोपहर में गिलौला थाना क्षेत्र के कटार के मजरा सगरी पुरवा निवासी हंसराज पुत्र सुंदरलाल कश्यप उम्र 38 वर्ष दोपहर में दो बजे के आसपास तेज बरसात हो रही थी। जिसके खेत की मेड बंधने के लिए गया था। मेड बांध कर हंसराज वापस लौट रहा था। इसी बीच गांव के बाहर उसके ऊपर तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिर गई और वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए गिलौला ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में चेतिया भट्ठा के पास हंसराज ने दम तोड़ दिया।

प्रदर्शन कर अभिभावकों ने प्रधानाध्यापक को हटाने की मांग की

संवाददाता–महराजगं। महराजगंज के प्राथमिक विद्यालय सोहगी टोला बलुहवा ग्राम गिरगिटिया में गुरुवार को अभिभावकों ने प्रदर्शन किया। लोगों ने यहां तैनात प्रधानाध्यापक को हटाने की मांग की। इसके पहले अपनी मांग को लेकर लोगों ने जिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी शिकायत पत्र दिया था। प्रदर्शन कर रहे अभिभावक नरसिंह, राजकुमार, सुनीता, बुद्धिराम, रमेश, रणजीत, श्यामसुंदर, जगरनाथ, हरीशचंद्र, विजय, जयहिंद, रामानंद, दिलीप, विकेन्दर, रामधनी, मनोहर, जोखन, पप्पू आदि का कहना रहा कि इस विद्यालय पर तैनात प्रधानाध्यापक का व्यवहार ठीक नहीं है। बच्चों के प्रति सहयोगात्मक रवैया भी नहीं है। इसलिए अधिकांश बच्चे स्कूल नहीं आ रहे हैं। इसकी शिकायत जिलाधिकारी व बेसिक शिक्षा अधिकारी से भी की गई। ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले में कोई कार्रवाई न होने से अब बच्चे दूसरी जगह नामांकन कराने के लिए जिद कर रहे है। इन लोगों ने शासन–प्रशासन से इस समस्या का अविलम्ब समाधान निकालने की मांग की है। वहीं, इस संबंध में प्रधानाध्यापक छेदी प्रसाद वर्मा ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

चोरी की तीन बाइक बरामद, 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। पुलिस ने गुरुवार को 10,000 के इनामी आरोपी चोरी की तीन बाइकों के साथ गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी करुणाकर पांडे ने बताया कि पकड़े गए आरोपी मोहम्मदपुर ककरहा मनोज कुमार सिंह पयागपुर में कई मुकदमे में वांछित चल रहा था, जिसकी तलाश की जा रही थी। गोपनीय सूचना पर चौकी खुटेहना के इंचार्ज नितिन उपाध्याय, उप निरीक्षक अरुण कुमार द्विवेदी, उप निरीक्षक सूर्यकांत चौबे, हेड कांस्टेबल संतोष कुमार के साथ रजवापुर मोड़ से गिरफ्तार कर लिया गया।

कार्यालय नगर पंचायत गायघाट बस्ती

दर आमंत्रण सूचन

एतद्वारा समस्त सम्बन्धित ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत गायघाट, बस्ती में राज्य वित्त आयोग के प्राप्त धनराशि से दर आमंत्रण/ निर्माण कार्य कराये जाने हेतु मोहरबन्द निविदा दिनांक 23–09–2024 समय 2 दिन तक कार्यालय नगर पंचायत गायघाट पर आमंत्रित किया जाता हैं तथा प्राप्त दरों/निविदाओं को उसी दिन समय 4 बजे दिन में अध्यक्ष महोदय द्वारा उपस्थित ठेकेदारों/प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र की विक्री दिनांक 21–09–2024 समय 04:00 बजे तक नगर पंचायत गायघाट बस्ती कार्यालय पर की जायेगी। यदि इस सन्दर्भ में इसके अतिरिक्त कोई अन्य सूचना जानकारी चाहते है तो दिनांक 21–09–2024 तक नगर पंचायत गायघाट कार्यालय से ज्ञात कर सकते है। विवरण निम्नलिखित है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	योजना का नाम	दर	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1	18 मी० ट्राई ग्लो आई०पी०–65 वॉटरप्रूफ तिरंगा स्ट्रीप रोप लाईट की आपूर्ति। (ड्राईवर सहित)	राज्य वित्त आयोग	–	20000.00	1000.00	1 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गायघाट,
जनपद बस्ती।

सुनील कुमार
अध्यक्ष
नगर पंचायत गायघाट,
जनपद बस्ती।

पत्रांक 112 /न0पं0गा0/2024–25 दिनांक– 12–09–2024

बॉटनी की पुस्तक का हुआ लोकार्पण

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बॉटनी विभाग में डॉ. प्रतिमा विश्वकर्मा की पुस्तक 'ए टेक्स्टबुक ऑफ बॉटनी प्लांट डाइवर्सिटी–1 का गुरुवार को लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी ने पुस्तक की विशेषता पर प्रकाश डाला।

प्रो.द्विवेदी ने कहा कि गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय से ही बीएससी, एमएससी और पीएचडी की पढ़ाई पूरी कर हमारी छात्रा ने यह पुस्तक लिखी है। विशिष्ट अतिथि प्रो.एनएन त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तक छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगी। इस दौरान प्रकाशक ग्रुप के सौरभ सिंह ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर डेढ़ लाख की ठगी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के सुरहुरहुर गांव निवासी एक व्यक्ति से विदेश में नौकरी दिलाने का सब्जबाग दिखा एजेंटों ने डेढ़ लाख रुपये ठग लिये। इतना ही नहीं ठगों ने फर्जी हवाई जहाज का टिकट देकर पीड़ित को मुंबई एयरपोर्ट भेज दिया जहां जाली टिकट की जानकारी होने पर वह बैरंग वापस लौट आया। शिकायत पर पुलिस ने पुलिस अधीक्षक के आदेश पर एक महिला ठग समेत तीन लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दिया है। सुरहुरहुर निवासी शेर बहादुर मौर्य ने एसपी से शिकायत किया है कि राम भरत यादव निवासी भीटी व रामभरत का भाई रामबरन तथा शिवानी देवी निवासिनी गाजियाबाद कौं ओर से उसे विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर डेढ़ लाख रुपये की मांग की गयी। तीनों की बातों पर यकीन कर के पीड़ित ने पचास हजार रुपये पेटीएम के माध्यम से रामभरत के खाता में ट्रांसफर किया और एक लाख रुपया इन एजेंटों की नोयडा स्थित आफिस में रामबरन व शिवानी देवी को नगद दिया।

घर से निकले व्यक्ति की फांसी के फंदे से लटकती मिली लाश

संवाददाता–अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र के बड़ा पुरवा मजरे गेरौंडा गांव में गुरुवार की सुबह एक चौकाने वाली घटना हो गई।अपने बाइक पर सवार होकर खेत देखने निकले पीताम्बर पुत्र जगजीवन उम्र करीब 48 की संदिग्ध परिस्थितियों में एक बाग में फांसी के फंदे से लटकती लाश मिली।लाश का पैर जमीन को छू रहा था और दोनों हाथ आगे की ओर बंधे हुए थे।जिसे देख परिजन सहित ग्रामीण भी हत्या की आशंका जता रहे थे।सूचना मिलते ही एसडीएम व सीओ मौके पर पहुंच घटना स्थल का निरीक्षण किया।सीओ के निर्देश के बाद शव को पंचनामा के बाद पोस्मार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया।

झंगहा में ट्रक ने स्कूल जा रहे छात्र को रौंदा, आक्रोश

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थानाक्षेत्र के नई बाजार में ब्रम्हपुर ब्लाक के समीप गुरुवार की सुबह 8.15 बजे स्कूल जा रहे 18 वर्षीय छात्र को ट्रक ने कुचल दिया। इस घटना में छात्र की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने ट्रक को चालक सहित पकड़कर झंगहा पुलिस को सौंप दिया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर अन्य विधिक कार्रवाई कर रही है। झंगहा थानाक्षेत्र के इटौवा गांव निवासी 14 वर्षीय कृष पुत्र लालबहादुर यादव साइकिल से गुरुवार की सुबह नई बाजार स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पूर्व माध्यमिक विद्यालय जंगल रसूलपुर नम्बर दो में पढ़ने जा रहा था। अभी वह ब्रम्हपुर ब्लाक के समीप दुबौली के पास पहुंचा था कि सामने से आ रहे ट्रक ने उसे कुचल दिया। जिससे कृष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वह कक्षा 8 का छात्र था। इस घटना से घटनास्थल पर भीड़ जुट गई। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचे थानाध्यक्ष सूरज सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्र को कुचलने के बाद ट्रक को लेकर भाग रहे ड्राइवर को स्थानीय लोगों ने दौड़ाकर ट्रक सहित पकड़ कर झंगहा पुलिस को सौंप दिया। मृतक कृष के चाचा प्रेमनरायन यादव की तहरीर पर झंगहा पुलिस ट्रक ड्राइवर व ट्रक के खिलाफ धारा 281, 106, 324(4), 324(5) के तहत केस दर्ज कर अन्य विधिक कार्रवाई कर रही थी।

बखिरा में बनेगा 'टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर', झील किनारे खाने–ठहरने की होगी सुविधा –डीएम

संवाददाता–संतकबीरनगर। बखिरा झील में पर्यटकों को लुभाने के लिए पर्यटन सुविधा केंद्र का निर्माण हो रहा है। इस पर कुल 80 लाख रुपये खर्च होंगे। यहां पर्यटकों को ठहरने, खाने–पीने और अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। डीएम ने कार्यदायी संस्था को तीन माह में निर्माण कार्य पूरा करने के के निर्देश दिए हैं।

बखिरा झील को पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां पर सोलर पैनल लगाने का कार्य हो रहा है। साथ ही सड़क का भी निर्माण हुआ है। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने झील को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए कई योजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया है। जिनमें क्रेन रिजर्व वाटर बाडी, पाथ–वे, लाइब्रेरी, रिजॉर्ट, इंफार्मेशन सेंटर समेत अन्य कार्य होने हैं। इसके अलावा झील की सफाई के साथ ही वोटिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। कुल 300 करोड़ का प्रस्ताव डीएम ने पर्यटन मंत्रालय को भेजा है। उसकी स्वीकृति का इंतजार हो रहा है। इधर डीएम की पहल पर यूपी नेडा झील के पास सोलर पैनल लगा रही है ताकि झील के किनारे लाइट की सुविधा उपलब्ध हो सके। टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर के निर्माण के लिए डीएम ने अपने स्तर से पहल कर 80 लाख रुपये जारी कराया है। इससे भवन का निर्माण शुरू हो गया है। इस भवन के बनने से यहां पर पर्यटकों को रहने और खाने आदि की सुविधा मिलेगी। साथ ही इस सेंटर में दुकान का निर्माण होगा। इससे सरकार की आय भी बढ़ेगी। सेंटर का निर्माण शुरू हो गया है। इसे तीन माह में पूरा करने के निर्देश डीएम ने दिए हैं।

डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का निर्माण शुरू हो गया है। इसे जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। अन्य कार्यों का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। वहां से जैसे ही मंजूरी मिलती है तो उस पर भी कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

2025 की पहली तिमाही में राम मंदिर का पहला और दूसरा तल बन जाएगा –नृपेंद्र मिश्र

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक बृहस्पतिवार से शुरू हुई। बैठक में शामिल होने के पहले राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर निर्माण की प्रगति के बारे में बताते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा से मंदिर निर्माण का काम दो माह पीछे चल रहा है फिर भी वर्ष 2025 की पहली तिमाही में मंदिर का पहला और दूसरा तल बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि राम दरबार की मूर्ति का लेआउट फाइनल हो गया है। मूर्ति निर्माण की प्रक्रिया को देख रहे वासुदेव कामत ने मूर्ति के क्ले को फाइनल कर दिया है। पत्थर पर जो कार्य किया जाना है, वह नवंबर तक पूरा हो जाएगा। अभी हमारे लिए शिखर निर्माण सबसे बड़ी चुनौती है। मंदिर निर्माण की सभी कार्यदायी एजेंसियों की उपस्थिति में शिखर निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। अक्तूबर के पहले सप्ताह से शिखर निर्माण का काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र परिसर में अपोलो की ओर से स्थापित किए जाने वाला हॉस्पिटल भी नवंबर से शुरू हो जाएगा। परिसर में स्थित अंगद व नल टीले का भी सुंदरीकरण ट्रस्ट कराएगा।

स्वच्छता को लेकर 2 तक चलेगा विशेष अभियान

संवाददाता–गोरखपुर। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय एवं शहरी मंत्रालय की तरफ से स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ पर गांधी जयंती तक स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान चलेगा। डीएम कृष्णा करुणेश ने बताया कि 14 सितम्बर से एक अक्तूबर तक स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता की थीम स्वच्छता को लेकर कार्यक्रम आयोजित होंगे।

कटेहरी विधानसभा सीट पर जीत दर्ज करेगी कांग्रेस –नसीमुद्दीन सिद्दीकी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कटेहरी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी को हर हाल में जीत दर्ज करनी है। इसके लिए सभी कांग्रेसजन को जी जीन से लगना पड़ेगा। ये बातें पूर्व मंत्री व कटेहरी विधानसभा पर्यवेक्षक नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यकर्ता बैठक में कही। पूर्व मंत्री ने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता अपने को चुनाव के लिए तैयार ले, सभी का लक्ष्य जीत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनपद मेरा घर है, मैने यहां बहुत काम किया है। लगभग सभी गांवों से वाकिब हूं। सभी कार्यकर्ता अपनी उर्जा से कटेहरी विधानसभा में सक्रिय हो जाइए। प्रदेश उपाध्यक्ष केशवचंद यादव, महासचिव जयकरन वर्मा, सचिव अनिल भारतीय ने कहा कि कटेहरी विधानसभा सीट पर पार्टी हर हाल में जीतना चाहती है। इसके लिए हम सभी कांग्रेसजनों को तन मन धन से लगना होगा। गठबंधन में कांग्रेस पार्टी इस सीट के लिए मजबूत दावेदारी पेश करेगी। यदि सीट कांग्रेस के खाते में आएगी तो आपकी ऊर्जा से जीत मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एआईसीसी सदस्य मेराजुद्दीन किछौछवी व संचालन जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल छोटू ने की। इसके पूर्व पूर्व मंत्री सिद्दीकी ने प्रदेश सचिव अनीस खां के पहितीपुर आवास पर जाकर उनकी मां के निधन पर शोक व्यक्त किया। वहीं दुर्घटना में मारे गए औरंगनगर निवासी सुरेन्द्र शर्मा और संतलाल अग्रहरि घर पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। बैठक में प्रदेश सचिव अनीस खां, पूर्व प्रदेश सचिव अमित जायसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष राम कुमार पाल, सुनील मिश्र, डा. विजय शंकर तिवारी, कृष्ण कुमार पांडेय कवकू, संजय तिवारी, विशाल वर्मा, सुखीलाल वर्मा, कृष्ण कुमार यादव, राजबहादुर मिश्र, श्रीकांत वर्मा, रवीश शुक्ला, अवधेश मिश्र, राजपत पटेल, दुर्गा प्रसाद पांडेय, विश्वभान मिश्र, आदित्य नारायण तिवारी, वीपी गौतम आदि मौजूद रहे।

छह सागरों पर इको टूरिज्म विकसित करने की कवायद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अंग्रेजों के जमाने में स्थापित जमींदारी नहर प्रणाली की सागरें उपेक्षित पड़ी हुई है। हाल में डीएम डॉ. राजागणपतिप्पा आर की विशेष रुचि से भारत–नेपाल सीमा पर स्थित सागरों को पर्यटकीय स्वरूप देने की कवायद शुरू हो गई है। सिंचाई विभाग ने जिले के शोहरतगढ़ व नौगढ़ तहसील में स्थित छह सागरों पर इको टूरिज्म विकसित करने की रूपरेखा तैयार कर ली है। विभाग ने 49.54 करोड़ की प्राथमिक कार्ययोजना तैयार की है। सिटी जोन समेत वाच टॉवर, बुद्ध की प्रतिमाएं, ग्रीन जोन और मोटरवोट आदि की व्यवस्था की जाएगी। भारत–नेपाल बॉर्डर पर बर्डपुर क्षेत्र में बजहा, मझौली, सेमरा, मसई, मोती सागर, बटुआ, सिसवा, शिवपति, महला और मर्सी सागर स्थित है। इनमें सेमरा, मोती, मसई, बजहा, सिसवा व मझौली सागर के विकास की कार्ययोजना तैयार की गई है। सीडीओ जयंद्र कुमार ने बताया कि डीएम के निर्देशन में सिंचाई विभाग की तरफ से बनाए गए कार्ययोजना में सागर में नौकायन, प्रवेश द्वार, वेडिंग जोन, ग्रीन जोन में बैठने की व्यवस्था, काटेज निर्माण, लकड़ी का 12.5 मीटर उंचा वॉच टावर, हाईमास्ट, सोलर लाइट, फुटपाथ, पार्किंग, पौधरोपण, शौचालय, रेलिंग, स्ट्रीट लाइट, सोलर उर्जा, बेंच, वॉटर सप्लाई टैंक, घाट, नेशनल फ्लैग, कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था शामिल है। इससे यहां आने वाले पर्यटकों को बैठकर सागर के सौंदर्यता देखने के लिए सिटी जोन निर्धारित किया गया है। वेडिंग जोन में स्थानीय खानपान की व्यवस्था होगी। साथ ही सागर किनारे टहलने के लिए डेडिकेटेड फुटपाथ–वे व ग्रीन जोन में भी बैठने की व्यवस्था होगी। इन सागरों के सीमा के निकट होने के कारण सागरों में नौकायन के दौरान नेपाल की पहाड़ियों के मनोरम दृश्य नजर आएंगे।

सागरों पर इस परियोजना के पूर्ण होने से 1280 गांव, 21100 घर एवं 175000 आबादी लाभान्वित होगी। इससे जन–जागरूकता व समाजिक समरसता का विकास होगा। इससे कालानमक धान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। जिससे किसानों को फायदा होगा व राजकीय कोष में बढोतरी होगी। सागर के सौंदर्यीकरण से पर्यटन एवं कृषि क्षेत्र में लगभग 1500 लोगों के रोजगार के स्तर में सुधार होगा। सागरों के सौंदर्यीकरण के बाद पूरे वर्ष में लगभग 110000 अबादी मेला, पर्व, सांस्कृति कार्यक्रम, पिकनिक आदि में उपस्थित होगी। जिससे 20.25 करोड रुपये का आर्थिक संचरण होगी, जिससे जन सामान्य के जीवन स्तर में वृद्धि होगी।

बाइक हटाने की बात के विवाद में दो गांव के लोग हुए आमने–सामने, चले ईंट–पत्थर

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के महुली क्षेत्र के जमुहट गांव में नशे में धुत बाइक सवार से बीच सड़क पर खड़ी बाइक को हटाने की बात को लेकर कार सवार दम्पत्ति से कहासुनी होने के बाद विवाद बढ़ गया। दम्पत्ति की सूचना पर बगल के गांव ठाठर से पहुंचे लोगों और जमुहट के ग्रामीणों के बीच हाथापाई होने लगी। दोनों पक्षों की तरफ से जमकर ईंट–पत्थर चले। मारपीट में एक दर्जन से अधिक लोग मामूली रूप से घायल हो गए। दम्पत्ति पक्ष जमुहट के लोगों पर जेवरात छीनने का आरोप लगा रहा है। जबकि दूसरा पक्ष नगदी और मारने–पीटने की बात कह रहा है। सूचना पर स्थानीय पुलिस के अलावा सीओ के नेतृत्व में धनघटा पुलिस पहुंच गई। पुलिस टीम ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है, जिन्हें पूछताछ के बाद देर रात छोड़ दिया गया। विवाद के बाद दोनों गांवों के लोगों में तनाव बना हुआ है। पुलिस भी सतर्क है। महुली क्षेत्र के ग्राम ठाठर निवासी प्रेमचन्द्र के घर पर कथा कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने के लिए उनकी बेटी सरोज देवी लालगंज क्षेत्र के अमिईपार से परिवार के साथ पहुंची थी। बुध्वार शाम कार्यक्रम खत्म होने के बाद वह पति के साथ कार से वापस घर लौट रही थी। सरोज देवी की माने तो जैसे ही वह जमुहट गांव से आगे बढ़ी। इसी दौरान नशे में धुत जमुहट गांव के मुनीस पुत्र सत्तार ने बीच सड़क पर बाइक खड़ी की थी। जब उससे हटने की बात कहा तो वह भड़क गया। गाली देते हुए मारने के लिए लपक पड़ा। शोर सुनकर नशेड़ी युवक के पक्ष में अन्य लोग पहुंच गए तथा मारपीट करने लगे। सरोज देवी के अनुसार कार में बैठे बच्चे इसकी सूचना फोन से ननिहाल को दी। वहां से कुछ लोग पहुंच गए। देखते देखते विवाद बढ़ गया। सरोज देवी और उनके पति महेंद्र की पिटाई कर दी गई। आरोप है कि छोटा और बड़ा मंगल सूत्र, नाक की कील छीनकर जमुहट के कुछ लोग भाग गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस दौरान दोनों पक्षों की तरफ से जमकर ईंट पत्थर भी चले। इस दौरान लाठियां भी चलीं। दूसरे पक्ष के जमुहट के ग्रामीणों के अनुसार गांव के मुनीस से विवाद के बाद ठाठर गांव से दर्जनों की संख्या में महिला और पुरुष लाठी से लैस होकर गांव पहुंचे और जमकर उत्पात मचाया। उक्त लोग घरों में घुसकर महिलाओं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग को मारा–पीटा इतना ही नहीं बाइक और पिकअप वाहन क्षतिग्रत कर दिया। नगदी भी उठा ले गए। दोनों गांव के ग्रामीण की माने तो पीआरवी टीम की मौजूदगी में विवाद होता रहा लेकिन पुलिस लापरवाह बनी रही। मामला बढ़ने की सूचना पर सीओ के नेतृत्व में धनघटा और स्थानीय पुलिस और पुलिस चौकी के कर्मी पहुंचे। तब जाकर मामला शांत हुआ। जमुहट के ग्रामीण का आरोप है कि पुलिस के पहुंचने के बाद भी उनके घरों में घुसकर लाठियों से पिटाई की गई है। लेकिन इसकी पुष्टि नही हो सकी। विवाद में एक पक्ष से जमुहट के जमील, आसिया, खुर्शीद, खलीकुन्निशा, संजीदा, साहीना, शकीना, गुलाकी और दूसरे पक्ष से सरोज देवी, महेंद्र निषाद, बच्चे अतुल, नेहा चुटहिल हो गए। तीन बाइक और एक चारपहिया क्षतिग्रस्त हुआ। विवाद के बाद दोनो गांव में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ के जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

कानपुर की कंपनी के ब्रांड नाम से बना रहे थे डिटर्जेंट उत्पाद, हुई कार्रवाई

संवाददाता–गोरखपुर। कानपुर के बड़े ब्रांड के नाम का उपयोग कर एम्स थाना क्षेत्र में संचालित फैक्ट्री पर कोर्ट द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर और वादी के अधिवक्ता के नेतृत्व में छापेमारी की गई। यहां ब्रांड नाम का दुरुपयोग कर नकली डिटर्जेंट बनाया जा रहा था। इस दौरान कंपनी के मालिक सुनील निरंजन शाह भी मौजूद रहे। रोहिणी कोर्ट दिल्ली द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर तनिष्क शर्मा ने बताया कि असली ब्रांड की नकल कर डिटर्जेंट का उत्पादन और विक्रय कर ग्राहकों को भ्रमित किया जा रहा था। जिससे 1975 के ब्रांड को काफी नुकसान हो रहा है। छापामारी के दौरान बड़ी मात्रा में नकली उत्पाद, पैकेजिंग सामग्री और उत्पादन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। वादी के अधिवक्ता रोशन कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई नकली उत्पादों की रोकथाम और उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए की गई है।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन देश के टाप 28श में, 365 दिन में 1 करोड़ से अधिक यात्री पहुंचे–अब बन रहा नया भवन

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय गोरखपुर रेलवे स्टेशन को देशभर के 28 एनएसजी–1 (गैर उपनगरीय श्रेणी) स्टेशनों में चुना गया है। इसके अलावा लखनऊ जंक्शन, बनारस, छपरा और मऊ स्टेशन एनएसजी–2 श्रेणी में चुने गए हैं। एनएसजी–3 श्रेणी में 15, एनएसजी–4 में 24, एनएसजी–5 में 78 व एनएसजी–6 श्रेणी में 187 स्टेशन शामिल हैं। वहीं हाल्ट स्टेशन में एचजी–1 श्रेणी में 4, एचजी–2 में 87 एवं एचजी–3 श्रेणी में 100 स्टेशन वर्गीकृत हैं। वर्गीकरण के आधार पर ही स्टेशनों पर सुविधाएं उपलब्ध होती हैं।

सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं के बेहतर अवस्थापन और देखरेख के लिए सरकार ने इनकी ग्रेडिंग शुरू कराई है। स्टेशन पर हर दिन आने–जाने वाले यात्रियों की संख्या, स्टेशन परिसर की सफाई, प्लेटफार्म पर मिलने वाली सुविधाओं आदि का आकलन कर एनएसजी–1 श्रेणी में स्टेशनों को चयनित किया जाता है। अगले पांच वर्ष के लिए स्टेशनों का वर्गीकरण जारी किया गया है। इसमें गोरखपुर स्टेशन को एनएसजी–1 श्रेणी में वर्गीकृत कुल 28 स्टेशनों में शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि गोरखपुर जंक्शन से वर्ष 2023–24 में यात्रा शुरू करने वाले आरक्षित श्रेणी के यात्रियों की संख्या 53,75,937 एवं अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों की संख्या 76,48,820 है। इस तरह यात्रियों की कुल संख्या 1,30,24,757 है। इस अवधि में आरंभिक यात्री यातायात से 591.94 करोड़ की आय हुई। गोरखपुर से ट्रेनों की बढ़ी हुई संख्या और बिहार व नेपाल के लिए सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी की सुविधा होने के कारण यात्री यातायात एवं उससे रेल राजस्व में निरंतर वृद्धि हो रही है। गोरखपुर जंक्शन का नया भवन बनवाया जा रहा है, जिस पर करीब 500 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। पिछले साल सात जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका शिलान्यास किया था। नया स्टेशन भवन अगले 50 साल की जरूरत को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। सिटी सेंटर के रूप में इसे विकसित किया जाएगा। एनएसजी–1 श्रेणी में चयनित होने पर यहां यात्री सुविधाओं का और विकास हो सकेगा।

गोरखपुर के लिए यह खास उपलब्धि है। यहां से ट्रेनों की संख्या अधिक होने और बिहार–नेपाल समेत अन्य जगहों के लिए भी कनेक्टिविटी होने की वजह से यह उपलब्धि मिली है। इस श्रेणी में आने का मतलब है कि स्टेशन के विकास पर अधिक पैसा खर्च किया जा सकता है। आने वाले समय में यह स्टेशन अपने नए स्वरूप में दिखेगा।

मौसम के उतार–चढ़ाव से बीमारी की चपेट में आ रहे लोग

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला संयुक्त चिकित्सालय में बुखार व उल्टी व दस्त से पीड़ित मरीजों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। हालत यह है कि अस्पताल के ओपीडी में इस रोग के मरीजों की संख्या तीन गुना से अधिक हो गई है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखकर स्वास्थ्य विभाग चौकन्ना हो गया है। ऐसे में हर जगह मरीजों की लंबी कतार लगना प्रारंभ हो गई है।

जिला अस्पताल में बुधवार को पंद्रह सौ से अधिक मरीजों का चिकित्सकों नें उपचार किया। यहां पर दवा कराने के लिए जो मरीज आए थे उनमें सबसे अधिक बुखार, उल्टी व दस्त के मरीज शामिल रहे। इन मरीजों की संख्या चार सौ से अधिक रही। वही अन्य विभागों में भी मरीजों की भीड़ लगी रही। ऐसे में मरीजों को जांच व दवा लेने के लिए सबसे अधिक समस्या झेलनी पड़ रही है। इन जगहों पर महिला व पुरुषों की लंबी–लंबी कतारें लगी हुई हैं। इससे कई मरीज जो दवा वितरण कक्ष के सामने लगी लाइन में चक्कर आने पर फर्श पर बैठे नजर आए। ओपीडी हाल में मरीजों की अधिकता के कारण गर्मी व पसीने से लोग लथपथ दिखे। पैथोलॉजी में तो जांच कराने के लिए मरीजों की भीड़ लगी रही। ऐसे में जांच रिपोर्ट लेने के लिए मरीजों व उनके तीमरदारों में नोक–झोंक भी होती रही।

इन दिनों उमस भरी गर्मी खूब हो रही है। इससे दिन–रात पसीना निकलता रहता है। रोजाना ढाई से तीन लीटर पानी पिएं। दोपहर में घर से बाहर निकलने से बचें। घर से जाएं तो खूब पानी पीकर। बाहर जाएं तो साथ में पानी भी रखें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। सिर को टोपी, छाता, गमछा आदि से ढांक लें। नारियल पानी, छाछ, आम का पना आदि का सेवन करें। उल्टी–दस्त होते ही ओआरएस पीना शुरू कर दें। उल्टी–दस्त में खुद से उपचार की बजाय नजदीकी चिकित्सक से उपचार कराएं।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

वाद संख्या 379/2022

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला सिद्धार्थनगर

राजू

बनाम

रामअवध आदि

1. इन्द्रजीत 2. मनिराम पुत्रगण राजाराम 3. फूलमती पत्नी राजाराम साकिनान मौजा सेमरा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 4. राजेन्द्र पुत्र बंशराज साकिन गोनहा ताल तप्पा चवंर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 5. हसनरजा पुत्र घूरे साकिन मधवापुर तप्पा चवंर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 6. श्रीमती पानमती सिंह पत्नी मोल्हू 7. अमिताभ यादव पुत्र सरजू यादव साकिनान कुशलपुर तप्पा चवंर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 17–09–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **17–09–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 2089/23

धारा– 116 उ0प्र0रा0संहिता 2006

अदालत– श्रीमान उपजिलाधिकारी न्यायिक महोदय बांसी जनपद सिद्धार्थनगर

जगबहादुर

बनाम

भोला आदि

बावत मौजा रमवापुर तप्पा चवंर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

1. भोला प्रसाद 2. अनिल पुत्रगण विजय बहादुर ग्राम रमवापुर तप्पा चवंर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 25–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com